Roll. No. : .....

BASL (N)-121

Second Semester Examination, 2024 (June)

[वैदिक कर्मकाण्ड एवं अनुष्ठान]

Time : 2 Hours] **[Maximum Marks : 70**

नोट– यह प्रश्न पत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों (क) तथा (ख) में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट– खण्ड (क) में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

2 × 19 = 38

1. नित्यकर्म विधि क्या है? विस्तारपूर्वक लिखिए।
2. नवग्रह शांति विधान का विस्तृत रूप से उल्लेख कीजिए।
3. पञ्चभू संस्कार अग्निस्थापन विधि का क्रम सहित वर्णन कीजिए।

4. मूलगंडांत शान्ति विधि का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

5. कर्मकाण्ड का उद्‌भव एवं विकास का विस्तारपूर्वक उल्लेख कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट– खण्ड (ख) में आठ (8) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (8) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (4) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। **4×8=32**

1. मुहूर्त क्या है, वर्णन कीजिए।

2. षोडशसंस्कारों के महत्व पर प्रकाश डालिए।

3. पूर्णाहुति की विशेषता को प्रकट कीजिए।

4. कुण्डनिर्माण विधि पर प्रकाश डालिए।

5. नामकरण–विवाह संस्कार पर टिप्पणी लिखिए।

6. कुशकण्डिका विधि क्या है? टिप्पणी लिखिए।

7. पञ्चांग का परिचय एवं महत्व पर प्रकाश डालिए।

8. वर्तमान परिप्रेक्ष्य में कर्मकाण्ड के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

अथवा

अन्नप्राशन संस्कार के महत्व का उल्लेख कीजिए।

****